NEWS CLIPPING: 06.01.2020

PUNJAB KESARI

8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश व विदेशों से 400 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

- मेजबानी के लिए तैयार जे.सी. बोस विश्वविद्यालय
- सम्मेलन में 200 से ज्यादा शोध पत्र रखे जाएंगे

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए(छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 5 जनवरी (ब्यूरो): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद, फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) की मेजबानी के लिए तैयार है। यह सम्मेलन सोसायटी फार फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान तथा युनिवर्सिटी आफ साउथ फ्लोरिडा, युनिवर्सिटी आफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन आफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से 6 से 10 जनवरी तक आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में देश और विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

यह जानकारी आज यहां कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग, टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, सभी डीन एवं विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर किसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है जोकि तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआईपी) के अंतर्गत प्रयोजित है। प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि आईएसएफटी-2020 के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि होंगे।

इसके अलावा, एआईसीटीई के वाइस चेयरमैन डॉ. एम.पी. पुनिया, एनआईटी हमीरपुर के निदेशक डॉ राकेश सहगल और डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी सम्मान की बात है। यह सम्मेलन अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध करवायेगा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान प्रदान करेगा। यह सम्मेलन शिक्षाविदों और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को भी बढ़ावा देगा तथा हाल में विकसित नवीनतम प्रौद्योगिकीय अनुसंधानों को भी प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य की प्रौद्योगिकी का आधार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा नये अनुसंधान है। इसलिए, यह एक ऐसा विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा और परस्पर संवाद की आवश्यकता है। सम्मेलन में अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, जर्मनी सहित विभिन्न देशों से लगभग 50 प्रतिभागी आ रहे हैं।

17 सत्रों का होंगे आयोजित

सम्मेलन के दौरान कुल 17 सत्र आयोजित किये जायेंगे, जिसमें 11 तकनीकी सत्र, चार प्लेनरी (परिपूर्ण) सत्र तथा दो पोस्टर प्रस्तुति सत्र शामिल है। सभी तकनीकी सत्रों में लगभग 400 शोधकर्ताओं के 200 से ज्यादा शोध पत्र रखे जायेंगे, जिसमें भारत, अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब तथा म्यांमार शामिल हैं। सम्मेलन तकनीकी सत्रों के दौरान जिन विषयों पर चर्चा होंगे, उनमें ऊर्जा एवं ताप प्रणाली में उन्नति, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डिजाइन एवं विश्लेषण, सिविल एवं एनवायरमेंट इंजीनियरिंग, प्रोडक्शन एवं इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

प्लेनरी सत्र को विभिन्न देशो के 17 आमंत्रित वक्ता जोकि विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते है, संबोधित करेंगे और सम्मेलन की विषयवस्तु को लेकर शोध कार्यों एवं शोध संभावनाओं के बारे में चर्चा करेंगे। इस सभी सत्रों की अध्यक्षता हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति कर रहे है, जिसमें विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी के कुलपति डॉ. एस.के. गखड़, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार तथा गुरूग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मारकण्डेय अहूजा शामिल हैं। निर्धारित कार्य म के अनुसार, पहले दिन शाम को तथा दूसरे दिन की सुबह सभी प्रतिभागियों का पंजीकरण किया जायेगा। दूसरे दिन उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी और प्लेनरी सत्र आयोजित किये जायेंगे, जोकि दो दिन तक चलेंगे। सम्मेलन के दौरान चैथे एवं पांचवें दिन प्रतिभागियों के लिए आगरा और दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण का कार्य म भी रखा गया है। इसके अलावा, प्रतिभागी विश्वविद्यालय में विभिन्न सुविधाओं एवं प्रयोगशालाओं का जायजा भी लेंगे और विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित नये इनोवेशन एवं स्टार्ट-अप अवधारणाओं पर चर्चा करेंगे।

प्रदर्शनी होगी आकर्षण का केंद्र

सम्मेलन के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित नई तकनीकी एवं उपकरणों की एक प्रदर्शनी भी लगायी जायेगी, जोकि सम्मेलन का मुख्य आकर्षण होगी। प्रतिभागियों को सम्मेलन के संबंधित सभी प्रकार की जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा एक मोबाइल एप भी विकसित की गई है। इसके अलावा, सम्मेलन से संबंधित जानकारी वेबसाइट के साथ-साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करवाई गई है।

2011 में हुई थी शुरुआत

फ्यूजन आफ साईंस एंड टैक्नॉलोजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत 2011 में हुई थी और अब तक सात अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत सहित अन्य देशों में आयोजित हो चुके है। इस सम्मेलन के आयोजन में 12 देशों की सहभागिता रहती है। प्रतिवर्ष सम्मेलन में सैकड़ों शोध पत्र एवं लेख रखे जाते है, जिस पर व्यापक चर्चा की जाती है। यह अकादमिक एवं अनुसंधान, उद्यम, इंजीनियरिंग जैसे पेशेवर से लोग का समूह है, जिनका उद्देश्य अंतःविषय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना है। सोसाइटी शिक्षा और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के वैज्ञानिक प्रयासों में व्यवस्थित अध्ययन और अनुसंधान करती है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Mon, 06 January 2020 https://epaper.punjabkesari.in/c/47684314

NEWS CLIPPING: 06.01.2020

HINDUSTAN

वाईएमसीए में सोमवार से पांच दिवसीय 'फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी' पर आठवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होगा

स्मार्ट सिटी में 15 देशों के विशेषज्ञ ऊर्जा एवं ताप प्रणाली पर शोध पेश करेंगे

सम्मेलन

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में सोमवार से पांच दिवसीय 'फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी' पर आठवां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) का आयोजन किया जा रहा है। इसमें अमेरिका, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, थाइलैंड, इटली, जर्मनी सहित 15 देश के 50 से अधिक प्रतिभागी ऊर्जा एवं ताप प्रणाली पर शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।

सम्मेलन का आयोजन सोसाइटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलोजी (एसएफएसटी), विश्वविद्यालय ऑफ साउथ फ्लोरिडा, विश्वविद्यालय ऑफ साउथ टेक्सेस, इंस्टीट्यूट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स सहित कई अन्य शैक्षणिक संस्थान के सहयोग से किया जा रहा है। यह जानकारी रविवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने प्रेसवर्ता के दौरान दी। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह सहित कई विभाग के डीन एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

इसमें अकादमिक एवं शोध संस्थान, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों सहित कई लोगों को मंच उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन और दूसरे दिन सुबह तक प्रतिभागियों का पंजीकरण किया जाएगा।

दूसरे दिन कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद तकनीकी और प्लेनरी सत्र आयोजित किया जाएगा। जोकि दो दिनों तक चलेगा। सम्मेलन के चौथे एवं पांचवे दिन प्रतिभागियों के लिए आगरा और दिल्ली के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। प्रतिभागी विश्वविद्यालय में प्रयोगशालाओं का जायजा भी लेंगे। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित नई खोज और स्टार्ट-अप पर भी चर्चा की जाएगी। इस दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित नई तकनीकी एवं उपकरणों की एक प्रदर्शनी भी देखने को मिलेगी।

वाईएमसीए में सोमवार से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत होगी। • हिन्दुस्तान

17 वक्ता लेंगे हिस्सा

सत्र के दौरान विभिन्न देशों के 17 आमंत्रित वक्ता हिस्सा लेंगे। जोकि विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने विचार रखेंगे। वहीं, सम्मेलन की विषय वस्तु को लेकर शोध कार्यों एवं शोध संभावनाओं पर चर्चा किया जाएगा। इस मौके पर विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू आदि भाग लेंगे।

17 सत्र होंगे आयोजित

सम्मेलन में 17 सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसमें 11 तकनीकी सत्र, चार प्लेनरी (परिपूर्ण) सत्र तथा दो पोस्टर प्रस्तुति सत्र को शामिल किया गया है। तकनीकी सत्र में लगभग 400 शोधकर्ताओं के 200 से ज्यादा शोध पत्र रखे जाएंगे। इसमें भारत, अमेरिका, दक्षिण कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब तथा म्यांमार शामिल हैं।

इन पर होगी चर्चा

सम्मेलन में ऊर्जा एवं ताप प्रणाली में उन्नति, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डिजाइन एवं विश्लेषण, सिविल एवं एनवायरमेंट इंजीनियरिंग, प्रोडक्शन एवं इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल आदि पर चर्चा होगी।

NEWS CLIPPING: 06.01.2020

NAVBHARAT TIMES

विज्ञान व प्रौद्योगिकी का 8वां अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

■ विशेष संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में 'फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी' पर होने वाले 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) की तैयारी पूरी हो गई हैं। यह सम्मेलन सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान व यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ टेक्सेज, इंस्टिट्यूशन ऑफ मिकैनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से 6 से 10 जनवरी तक चलेगा। इसमें देश और विदेश से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

जेसी बोस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के 400 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

यह जानकारी रविवार को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, सभी डीन, विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आईएसएफटी-2020 के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि होंगे। इनके अलावा एआईसीटीई के वाइस चेयरमैन डॉ.एमपी पूनिया, एनआईटी हमीरपुर के निदेशक डॉ.राकेश सहगल और डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ केवलजीत जावा सम्मानित होंगे।

NEWS CLIPPING: 06.01.2020

THE TRIBUNE

VARSITY RELEASES CALENDAR

Faridabad: The Vice-Chancellor of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, Prof Dinesh Kumar released the university calendar, table calendar and diary for 2020. The V-C conveyed his greetings and best wishes to students, faculty and staff of the university. This year the university calendar showcases the main gate of the university, known as Golden Jubilee Gate, symbolises the excellence of the students of this institution in various walks of life. The V-C said 2020 was an important year for the university in terms of development. He urged the faculty and staff to contribute for the development of the university. Registrar Dr SK Garg, chairperson of Department of Computer Application Dr Atul Mishra, Dr Hari Om Srivastava, Deputy Registrar Manish Gupta and Executive Engineer Ajay Taneja were also present.

The Tribune Mon, 06 January 2020 https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING: 06.01.2020

THE PIONEER

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी को तैयार जेसी बोस यूनिवर्सिटी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'फ्यूजन आफ साईंस एंड टेक्नोलॉजी' पर 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) की मेजबानी के लिए तैयार है। यह सम्मेलन सोसायटी फार फ्यूजन आफ साईंस एंड टेक्नोलॉजी (एसएफएसटी) के संयुक्त तत्वावधान तथा युनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, युनिवर्सिटी ऑफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से 6 से 10 जनवरी तक आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में देश और विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

यह जानकारी रविवार को यहां कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, सभी डीन एवं विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है, जोकि तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआईपी) के अंतर्गत प्रयोजित है।

प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि आईएसएफटी-2020 के उद्घाटन सत्र में विवि अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्यातिथि होंगे। इसके अलावा, एआईसीटीई के वाइस चेयरमैन डॉ. एमपी पुनिया, एनआईटी हमीरपुर के निदेशक डॉ. राकेश सहगल और डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा सम्मानित अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए फ्यूजन ऑफ साईंस एंड टेक्नोलॉजी पर 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी सम्मान की बात है। यह सम्मेलन अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध करवाएगा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान प्रदान करेगा। यह सम्मेलन शिक्षाविदों और उद्योग के बीच परस्पर सहभागिता को भी बढ़ावा देगा तथा हाल में विकसित नवीनतम प्रौद्योगिकीय अनुसंधानों को भी प्रदर्शित करेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य की प्रौद्योगिकी का आधार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में फ्यूजन द्वारा नए अनुसंधान है। इसलिए, यह एक ऐसा विषय है, जिस पर व्यापक चर्चा और परस्पर संवाद की आवश्यकता है। सम्मेलन में अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, जर्मनी सहित विभिन्न देशों से लगभग 50 प्रतिभागी आ रहे है। सम्मेलन के दौरान कुल 17 सत्र आयोजित किये जायेंगे, जिसमें 11 तकनीकी सत्र, चार प्लेनरी (परिपूर्ण) सत्र तथा दो पोस्टर प्रस्तुति सत्र शामिल है। सभी तकनीकी सत्रों में लगभग 400 शोधकर्ताओं के 200 से ज्यादा शोध पत्र रखे जाएंगे।

सभी सत्रों की अध्यक्षता हरियाणा के विभिन्न विवि के कुलपति कर रहे है, जिसमें विश्वकर्मा विवि के कुलपति राज नेहरू, इंदिरा गांधी विवि, मीरपुर रेवाड़ी के कुलपति डॉ. एसके गखड़, गुरु जम्भेश्वर विवि, हिसार के कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार तथा गुरुग्राम विवि के कुलपति डॉ. मारकंडेय अहूजा शामिल हैं।

देश व विदेशों से 400 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा, सम्मेलन में 200 से ज्यादा शोध पत्र रखे जाएंगे

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रदर्शनी होगी सम्मेलन का मुख्य आकर्षण

NEWS CLIPPING: 06.01.2020

DAINIK TRIBUNE

8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी के लिए वाईएमसीए तैयार

बल्लभगढ़ में रविवार को सेमिनार के बारे जानकारी देते वाईएमसीए के कुलपति प्रो.दिनेश कुमार। -निस

बल्लभगढ़, 5 जनवरी (निस)

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएसएफटी-2020) की मेजबानी के लिए तैयार है। सम्मेलन में यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी आफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन आफ मेकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से 6 से 10 जनवरी 2020 तक आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में देश और विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है। यह जानकारी यहां कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एक पत्रकार सम्मेलन में दी। कुलपति ने बताया कि यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर किसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है जोकि तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआईपी) के अंतर्गत प्रायोजित है।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 06 Janua
https://epape

NEWS CLIPPING: 06.01.2020

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि में अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी का होगा आगाज

A. U. 6/1/2020

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय (विवि) में 'फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी' विषय कर 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आज से आगाज हो रहा है। इसमें 15 देशों के 50 प्रतिनिधि शामिल होंगे, जबकि देश विदेश के कुल 400 प्रतिभागी शिरकत करेंगे। सोसायटी फॉर फ्यूजन ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसएफएसटी), यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ टेक्सॉस, इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स के सहयोग से पांच दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि तकनीकी गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 के तहत यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, टीईक्यूआईपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, सभी डीन व विभागाध्यक्ष और विवि के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रो. दिनेश ने बताया कि पहली बार विवि में इतने बड़े स्तर पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि रहेंगे। सम्मेलन के माध्यम से अकादमिक व शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों को मंच उपलब्ध करवा जाएगा। सम्मेलन मौजूदा चुनौतियों के लिए समाधान प्रदान करेगा। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 06.01.2020

DAINIK JAGRAN

सम्मेलन में देश विदेश से 400 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में सोमवार से आठवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान तथा यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी आफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग आयोजित किया जा रहा है। सोमवार से दस जनवरी तक होने वाले सम्मेलन में देश और विदेशों से लगभग 400 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

रविवार को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने पत्रकार वार्ता के दौरान यह जानकारी दी। इस दौरान कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, टीईक्यूआइपी निदेशक डॉ. विक्रम सिंह, सभी डीन एवं विभागाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। प्रो.दिनेश कुमार ने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व चेयरमैन डॉ. वेद प्रकाश मुख्य अतिथि होंगे। एआइसीटीई के वाइस चेयरमैन डॉ.एमपी पूनिया, एनआइटी हमीरपुर के निदेशक डॉ.राकेश सहगल और डेकेन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ कंवलजीत जावा भी मौजूद रहेंगे। सम्मेलन अकादमिक एवं शोध संस्थानों, औद्योगिक विशेषज्ञों, प्रबंधकों, इंजीनियरों इत्यादि के लिए मंच उपलब्ध करवाएगा। सम्मेलन में कुल 17 सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें 11 तकनीकी सत्र, चार प्लेनरी (परिपूर्ण) सत्र तथा दो पोस्टर प्रस्तुति सत्र शामिल है। सभी तकनीकी सत्रों में लगभग 400 शोधकर्ताओं के 200 से ज्यादा शोध पत्र रखे जाएंगे, जिसमें भारत, अमेरिका, साउथ कोरिया, फ्रांस, थाईलैंड, इटली, जर्मनी, ईरान, नाइजीरिया, साउदी अरब तथा म्यांमार शामिल हैं। सम्मेलन तकनीकी सत्रों के दौरान जिन विषयों पर चर्चा होंगे, उनमें ऊर्जा एवं ताप प्रणाली में उन्नति, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डिजाइन एवं विश्लेषण, सिविल एवं एनवायरमेंट इंजीनियरिंग, प्रोड्क्शन एवं इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अन्य क्षेत्र शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 06.01.2020

DAINIK BHASKAR

D.B. 06/01/2020

जेसी बोस विवि में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के फ्यूजन पर आज से 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दुनिया के 400 से अधिक वैज्ञानिक लेंगे हिस्सा, विभिन्न विषयों पर हुए शोध पर की जाएगी चर्चा

रिसर्च करने वाले शोधार्थियों को इस सम्मेलन से होगा फायदा

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय(वाईएमसीए) फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नालॉजी पर आज से 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हो रहा है। यह सम्मेलन सोसायटी फॉर फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नालॉजी दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान तथा युनिवर्सिटी आफ साउथ फ्लोरिडा, यूनिवर्सिटी आफ साउथ टेक्सेज, इंस्टीट्यूशन आफ मैकेनिकल इंजीनियर्स और अन्य प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सहयोग से 10 जनवरी तक किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश व दुनिया के विभिन्न यूनिवर्सिटी के 400 से अधिक वैज्ञानिक और शोधकर्ता हिस्सा लेंगे। विभिन्न विषयों पर अपने आइडियाज और शोध एक दूसरे से शेयर करेंगे। सम्मेलन में मेन फोकस इंडस्ट्रीज, एनर्जी और इनवायरमेंट होंगे। ये जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने प्रेसवार्ता में दी।

कांफ्रेंस में इंडस्ट्रीज, सोलर एनर्जी और पर्यावरण विषय पर होगा विशेष जोर

पहली बार इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन

विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि यह पहली बार है जब विश्वविद्यालय बड़े स्तर पर किसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है जोकि तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम-3 (टीईक्यूआईपी) के अंतर्गत प्रायोजित है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए फ्यूजन आफ साइंस एंड टेक्नालॉजी पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी सम्मान की बात है।

फरीदाबाद. जेसी बोस विश्व विद्यालय में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के बारे में जानकारी देते विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार व अन्य।

दर्जनभर देशों के वैज्ञानिक व शोधकर्ता होंगे शामिल

इस इंटरनेशनल कांफ्रेंस में दुनिया के दर्जनभर से अधिक देशों के यूनिवर्सिटी में विभिन्न विषयों के 400 से अधिक वैज्ञानिक और शोधकर्ता शामिल होंगे। अमेरिका, इटली, ईरान, थाईलैंड, साउथ कोरिया, साउथ अफ्रीका, नाईजीरिया, सउदी अरब, फ्रांस, जर्मनी, म्यांमार आदि देशों के वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं के आने की मंजूरी मिल चुकी है।

इन यूनिवर्सिटी को भी किया गया है आमंत्रित | कुलपति ने बताया कि इस इंटरनेशनल कांफ्रेंस में दिल्ली यूनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी, लखनऊ यूनिवर्सिटी, एमडीयू, गुरू जमेश्वर यूनिवर्सिटी, इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, चौ. चरण सिंह यूनिवर्सिटी, पटना यूनिवर्सिटी, मिथिला यूनिवर्सिटी, मगध यूनिवर्सिटी, कानपुर यूनिवर्सिटी समेत देशभर के अन्य यूनिवर्सिटी को इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

इन विषयों पर होगी चर्चा और आइडियाज होंगे शेयर

प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि इस कांफ्रेंस में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एंड इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड मैटेरियल्स, मैनेजमेंट, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स, सिविल, इनवायरमेंटर, केमिकल इंजीनियरिंग एंड पॉलोमर साइंस, बॉयोटेक्नोलॉजी के अलावा फैशन डिजाइन एंड टेक्सटाइल इंजीनियरिंग, हेल्थ एंड मेडिकल इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर एंड बायो सिस्टम इंजीनियरिंग, एथिक्स लॉ एंड पॉलिसी, इंजीनियरिंग एंड गवर्नेंस के विषयों पर वैज्ञानिक व शोधकर्ता चर्चा करेंगे और किए गए रिसर्च व आइडियाज को एक दूसरे से शेयर करेंगे।